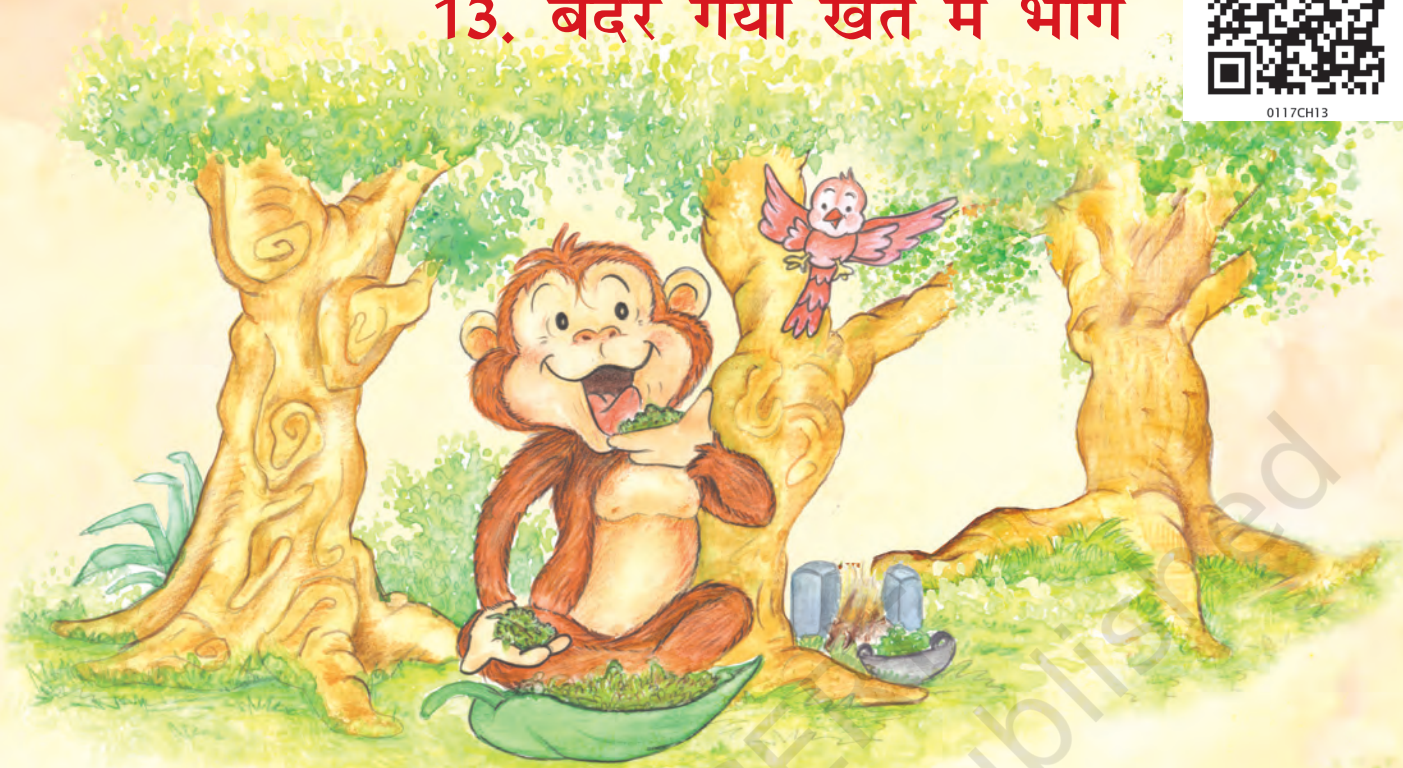


## 13. बंदर गया खेत में भाग



0117CH13

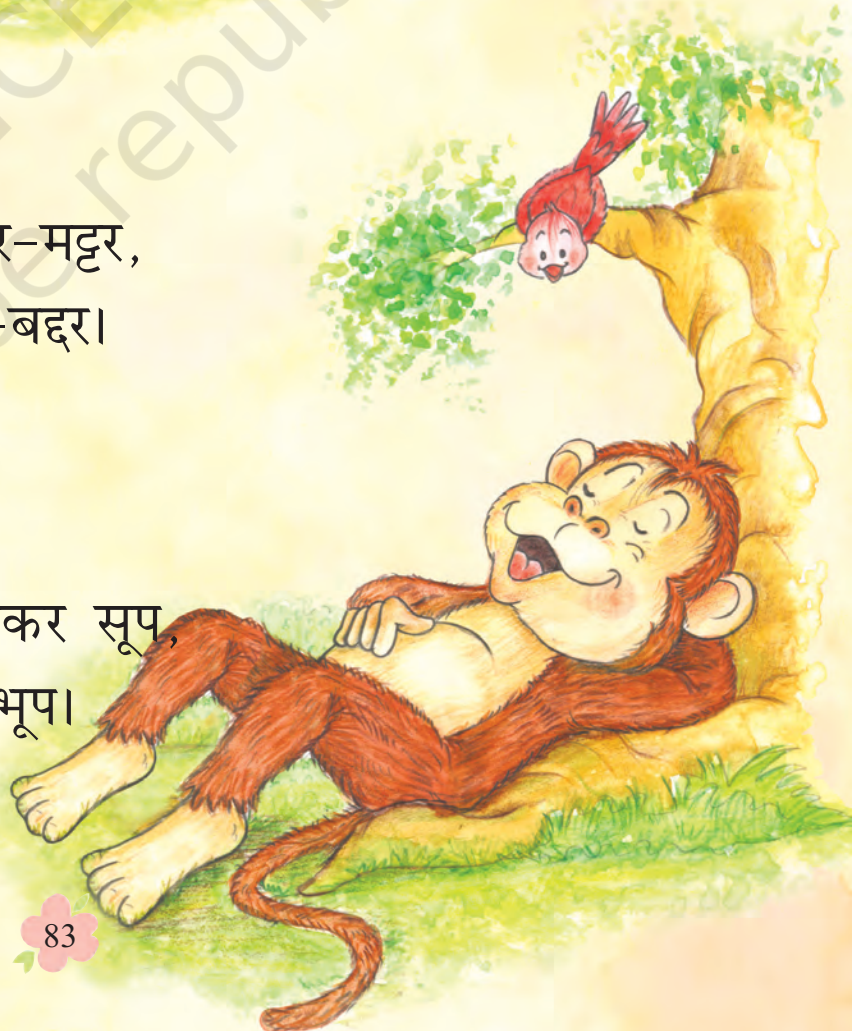


बंदर गया खेत में भाग,  
चुट्टर-मुट्टर तोड़ा साग।

आग जलाकर चट्टर-मट्टर,  
साग पकाया खद्दर-बद्दर।

सापड़-सूपड़ खाया खूब,  
पोंछा मुँह उखाड़कर दूब।

चलनी बिछा, ओढ़कर सूप,  
डटकर सोए बंदर भूप।





## क्या बिछाया, क्या ओढ़ा?

बंदर चलनी बिछाकर, सूप ओढ़कर सो गया।  
लिखो, ये कैसे सोएँगे?

क्या बिछाएँगे? क्या ओढ़ेंगे?

हाथी : .....  
चींटी : .....  
गिलहरी : .....  
शेर : .....

मेरे लिए भी तो कुछ सौचो  
में क्या ओढ़ूँ ? क्या बिछाऊँ ?



झटपट झटपट, खटपट खटपट

साग पकाया ..... खद्दर बद्दर .....  
खाया सबने .....  
पानी पिया .....  
मारे खर्गटे .....  
गिरे पलंग से .....



**भागो, भागो, भागो!!**

बंदर खेत से साग तोड़कर भागा। कौन-कौन से काम करने के बाद तुम्हें भागना पड़ता है?

.....

.....

.....

.....

.....

**इसमें कितनी तरह की टोपियाँ और पगड़ियाँ हैं? बताओ।**

